राज्यक सभा

अतारांकित प्रश्ना संख्याक 1575

11 मार्च, 2015 को उत्तएर के लिए

इस्पात क्षेत्र के अनुसंधान एवं विकास में निवेश

1575. श्री सी. एम. रमेश:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के लिए निवेश की गति को बढ़ाने का निर्णय लिया है जो कि अभी तक एक उपेक्षित क्षेत्र रहा है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्त)र

इस्पांत और खान राज्यो मंत्री **श्री विष्णु देव साय**

(क) और (ख): इस्पाोत मंत्रालय अनुसंधान और विकास (आर एण्डे डी) पर अत्यअधिक जोर देने के लिए इस्पासत विकास निधि (एसडीएफ) और केन्द्रन सरकार की योजनागत निधि से वित्तीीय सहायता प्रदान करके सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में आर एण्डी डी कार्यों को प्रोत्सारहित कर रहा है।

एसडीएफ स्कीनम के तहत 83 आर एण्डन डी परियोजनाओं को 696.27 करोड़ रूपये की कुल परियोजना लागत के साथ अनुमोदन प्रदान किया गया है , जिसमें एस.डी.एफ. सहायता 389.63 करोड़ रूपये है। इस्पाअत संयंत्रों द्वारा कुछ परियोजनाएं पहले ही क्रियान्वित कर ली गई है और वे उत्पायदकता में सुधार, ऊर्जा खपत में कमी और प्रदूषण इत्याुदि की दृष्टि से लाभ अर्जित कर रही हैं। योजनागत निधि स्कीरम के तहत 10 परियोजनाओं को 138.10 करोड़ रूपये की कुल लागत के साथ अनुमोदन प्रदान कर दिया गया था , जिसमे सरकारी सहायता 95.66 करोड़ रूपये निहित है। ये परियोजनाएं निम्नन ग्रेड के लौह अयस्कथ और कोयला के बेनिफिसिएशन और उपयोग की प्रौद्योगिकियों का विकास करने तथा साथ ही इन्ड्क्श न फर्नेस के जरिये इस्पादत की गुणवत्ताक में सुधार करने से संबंधित है।

****